सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

फिलोसॉफिकल काउंसलिंग सेंटर

उद्घाटन समारोह 2023

प्रतिवेदन

सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर के दर्शनशास्त्र विभाग और IQAC के संयुक्त तत्वावधान में फिलोसॉफिकल काउंसलिंग सेंटर का उद्घाटन दिनांक 20 दिसंबर 2023 को किया गया | इस अवसर पर "***सोसाइटी फॉर फिलोसॉफिकल प्रैक्सिस एंड स्पिरिचुअल हीलिंग***" के अध्यक्ष प्रोफेसर के. एल. शर्मा एवं आजीवन सदस्य प्रोफेसर राजकुमार को आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर मिलन यादव, 35 संकाय सदस्यों सहित लगभग सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। केन्द्र की प्रभारी डॉ. जरफिशा ज़ैदी ने बताया कि यह केंद्र सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 20 दिसंबर 2023 से पटेल भवन के कक्ष संख्या 5016 में संचालित किया जाएगा। विभाग पहले से काउन्सलिंग का काम करता रहा है। सन् 2021 से विभाग सोसाइटी फॉर फिलोसॉफिकल प्रैक्सिस एंड स्पिरिचुअल हीलिंग से संबंधित रहा है। यह सोसाइटी भारत में फिलोसॉफिकल काउंसलिंग की सबसे पुरानी महत्वपूर्ण संस्था है, जिसने फिलोसॉफिकल काउंसलिंग को हमारे देश में पहचान दिलाई | सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय का दर्शनशास्त्र विभाग पिछले 3 वर्षों से इस संस्था के साथ जुड़कर फिलोसॉफिकल काउंसलिंग पर काम कर रहा है। यहां के दो सदस्यों ने संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा एक सदस्य फिर इसी संस्था के साथ मिलकर बतौर फिलोसॉफिकल काउंसलर अन्य लोगों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। जो विद्यार्थी विभाग के फिलोसॉफिकल काउंसलर के पास अपनी कुछ समस्याएं लेकर आते हैं, जैसे- परीक्षाओं का तनाव, क्या करियर चुने, पारिवारिक मनमुटाव, मित्रता आदि तो विभाग में फिलोसॉफिकल काउंसलर्स

विद्यार्थियों को दार्शनिक ज्ञान के माध्यम से स्पष्ट सोचने और अपनी समस्याओं पर तर्क युक्त चिंतन करने के लिए प्रेरित करते रहे हैं, लेकिन अब विभाग विधिवत एवं औपचारिक रूप से सभी विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और अजमेर वासियों के लिए दार्शनिक परामर्श उपलब्ध कराएगा। यह न केवल राजस्थान का वरन् संभवतः भारत का प्रथम राजकीय महाविद्यालय है जहां ऐसा परामर्श केंद्र खोला जा रहा है।। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर मिलन यादव ने मुख्य वक्ता और विशिष्ट वक्ता का स्वागत किया और अपने अधयक्षीय उद्बोधन में कहा कि हमारे महाविद्यालय के लिए यह गर्व की बात है कि हम राज्य का पहला दार्शनिक परामर्श केंद्र खोल रहे हैं। हमारे पास प्रशिक्षित काउंसलर है। मुझे आशा है की हम इस केन्द्र के माध्यम से विद्यार्थियों को उचित परामर्श दे पाएंगे। मुख्य वक्ता प्रोफेसर के एल शर्मा ने अपने व्याख्यान में दार्शनिक परामर्श का परिचय देते हुए बहुत आसान भाषा में श्रोताओं को बताया कि दार्शनिक परामर्श क्या होता है । यह मनोवैज्ञानिक परामर्श से किस प्रकार भिन्न है। उन्होंने बताया कि हमारी हर समस्या मनोवैज्ञानिक नहीं होती है। कुछ समस्याएँ अस्तित्वगत होती हैं जो हमारे सोचने के तरीकों से उत्पन्न होती हैं। यदि हम सही सोचना शुरू करें तो इन समस्याओं को सुलझा सकते हैं। दार्शनिक परामर्श में एक प्रशिक्षित दार्शनिक होता है जो विभिन्न दार्शनिकों को पढ़ता रहा है । दार्शनिक सिद्धांतों की गहरी समझ रखता है । साथ ही साथ उसने दार्शनिक परामर्श में प्रशिक्षण भी लिया है। काउंसलर समस्याग्रस्त व्यक्ति की समस्या का समाधान दार्शनिक ज्ञान के माध्यम से करने में उस व्यक्ति की सहायता करता है। दार्शनिक प्रबोधक समस्या का समाधान करने हेतु पूर्ण विश्वसनीयता के साथ परामर्श लेने वाले व्यक्ति की बात को धैर्य से सुनकर दार्शनिक दृष्टि प्रदत्त कर समस्या समाधान में उस व्यक्ति को सक्षम बनाता है। काउंसलर समस्या ग्रस्त व्यक्ति को कोई समाधान नहीं देता बल्कि वह उसकी समस्या को धैर्य से समानुभूति पूर्वक सुनता है और सुनने के पश्चात उसके सोचने और समझने के पैटर्न को तलाश करता है । उस पैटर्न को वह अपने क्लाइंट को बताता है और उस पैटर्न को बदलने के लिए उसकी सहायता करता है। जब वह अपनी ही सोच के दायरे से बाहर निकलता है और अपने सोचने के तरीकों की

असंगतता पर दृष्टि डालता है तो उसे कहीं अपनी समस्या की जड़ों का ज्ञान हो पाता है। तो दार्शनिक परामर्श कुछ इस तरह का काम है कि यह समस्या कासमाधान देने के बजाय उस समस्या की गहरी जड़ों पर काम करता है । व्यक्ति को सक्षम बनाता है कि वह स्वयं सही-सही सोचना सीखे , समझना सीखे , अपने दृष्टिकोण की असंगतता को देख पाए और इसके माध्यम से वह अपनी अस्तित्वगत समस्या से बाहर निकल सके । प्रोफेसर के एल शर्मा ने छात्रों से रूबरू होते हुए उनकी जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर राजकुमार ने इसी विषय पर बोलते हुए कहा कि जीवन की अनेक समस्याएं हमारे अपने मन एवं मन की परिधि के भीतर उत्पन्न होती हैं। हम कभी भी वास्तविकता या सत्य को नहीं जान पाते हैं क्योंकि हमारा मन पुरानी मान्यताओं ,पूर्व संस्कारों, धारणाओं से बंधा होता है । हम उन्हीं संस्कारों और मान्यताओं के आधार पर वर्तमान को देखते हैं । स्वयं को लेकर , अन्य को लेकर तथा जगत को लेकर हम अपने मन में कुछ छविया बना लेते हैं और उन छवियों के आधार पर ही अपने जीवन के निर्णय लेते हैं लेकिन उन छवियों से परे मैं , अन्य और जगत होता है । इसको नहीं समझ पाने के कारण हम जीवन के महत्वपूर्ण आयाम से वंचित रहते हैं। अपनी ही मन के संस्कारों से हम अपनी परिधि में कैद रहते हैं ।दार्शनिक परामर्श के माध्यम से हम व्यक्ति को उसकी परिधि का ज्ञान कराते हैं । संवाद के माध्यम से समस्या ग्रस्त व्यक्ति को यह स्पष्ट होता है कि वह अपनी ही मान्यताओं में कैद है । उसकी सोचने की जो परिधि है, उस परिधि से बाहर उसकी समस्या का समाधान है। यह परिधि अत्यधिक बलशाली होती है। इसकी शक्ति का हमें तभी पता चलता है जब हम इस परिधि से बाहर आने का प्रयास करते हैं । दार्शनिक परामर्शदाता इस परिधि को पहचाने और उस परिधि से बाहर आने में क्लाइंट की सहायता करता है। यह सहायता दार्शनिक ज्ञान के माध्यम से की जाती है। जब व्यक्ति अपनी परिधि से बाहर आकर सोचता है तो उसको यह स्पष्ट होने लगता है की समस्या उसके दृष्टिकोण में, उसके सोचने के तरीके में, उसकी पूर्व मान्यताओं और बँधी बधाई धारणाओं में थी। जैसे ही परिधि से वह बाहर आता है उसे अपनी समस्या समस्या ही नजर नहीं आती है। यही दार्शनिक परामर्शदाता की भूमिका होती है । यदि हम सही मायने में यह देख पाए

कि हमारा मन कैसे काम करता है। वह चीजों को कैसे देखता है तो हमारी अनेक समस्याओं का समाधान संभव है | कार्यक्रम का संचालन श्री रामानंद कुलदीप ने किया और अंत में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रेखा यादव ने मुख्य वक्ता, विशिष्ट वक्ता, महाविद्यालय प्राचार्य, उपस्थित सभी संकाय सदस्यों, छात्र-छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित किया | व्याख्यान के पश्चात अतिथियों ने व प्राचार्य जी ने काउन्सलिंग केन्द्र का उद्घाटन किया।

विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के साथ आमजन भी हो सकेंगे लाभान्वित

एसपीसी जीसीए में खुला फिलोसॉफिकल प्रेक्टिस काउंसलिंग सेंटर

कार्स/अजमेर

सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को दर्शनशास्त्र विभाग और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में फिलोसॉफिकल काउंसलिंग सेंटर खोला गया। फिलोसॉफिकल काउंसलर एवं फिलोसॉफिकल प्रैक्टिस काउंसलिंग एंड स्पिरिचुअल हीलिंग समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर केएल शर्मा और प्रोफेसर राजकुमार ने सेंटर का उद्घाटन किया। इसके बाद दोनों का व्याख्यान भी हुआ।

प्रो. शर्मा ने कहा कि फिलोसॉफिकल काउंसलिंग के माध्यम से हम जीवन की कुछ समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। हर समस्या मनोवैज्ञानिक नहीं होती बल्कि वह हमारे जीवन दर्शन से जुड़ी होती है। यदि फिलोसॉफिकल काउंसलर दार्शनिक ज्ञान की सहायता से आम व्यक्तियों की जीवन की समस्या का समाधान करने में व्यक्ति की सहायता करें तो आम लोगों के जीवन में कई अस्तित्वगत समस्याओं का समाधान मिल सकता है। दर्शनशास्त्र विभाग अनौपचारिक तौर पर पिछले तीन वर्षों से विद्यार्थियों की फिलोसॉफिकल काउंसलिंग करता रहा है। अब औपचारिक रूप से इस केंद्र का शुभारंभ कर दिया गया है। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य एवं 20 संकाय सदस्य और करीब डेढ़ सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह केंद्र महाविद्यालय परिसर के सरदार वल्लभभाई पटेल भवन के कमरा नंबर 5016 में खोला गया है। जहां दर्शनशास्त्र विभाग के फिलोसॉफिकल काउंसलर विद्यार्थियों संकाय सदस्यों, कर्मचारी और अजमेर के निवासियों के लिए फिलोसॉफिकल काउंसलिंग करेंगे। केंद्र की प्रभारी डॉ. जरफिशा जैदी को बनाया गया है। कार्यक्रम के अंत में दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रेखा यादव ने सभी का आभार जताया।

ilosophical
ounselling
Centre

विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के साथ आमजन भी हो सकेंगे लाभान्वित

एसपीसी जीसीए में खुला फिलोसॉफिकल प्रेक्टिस काउंसलिंग सेंटर

कार्यालय/अजमेर

सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को दर्शनशास्त्र विभाग और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में फिलोसॉफिकल काउंसलिंग सेंटर खोला गया। फिलोसॉफिकल काउंसलर एवं फिलोसॉफिकल प्रैक्टिस काउंसलिंग एंड स्पिरिचुअल हीलिंग समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर केएल शर्मा और प्रोफेसर राजकुमार ने सेंटर का उद्घाटन किया। इसके बाद दोनों का व्याख्यान भी हुआ।

प्रो. शर्मा ने कहा कि फिलोसॉफिकल काउंसलिंग के माध्यम से हम जीवन की कुछ समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। हर समस्या मनोवैज्ञानिक नहीं होती बल्कि वह हमारे जीवन दर्शन से जुड़ी होती है। यदि फिलोसॉफिकल काउंसलर दार्शनिक ज्ञान की सहायता से आम व्यक्तियों की जीवन की समस्या का समाधान करने में व्यक्ति की सहायता करें तो आम लोगों के जीवन में कई अस्तित्वगत समस्याओं का समाधान मिल सकता है। दर्शनशास्त्र विभाग अनौपचारिक तौर पर पिछले तीन वर्षों से विद्यार्थियों की फिलोसॉफिकल काउंसलिंग करता रहा है। अब औपचारिक रूप से इस केंद्र का शुभारंभ कर दिया गया है। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य एवं 20 संकाय सदस्य और करीब डेढ़ सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह केंद्र महाविद्यालय परिसर के सरदार वल्लभभाई पटेल भवन के कमरा नंबर 5016 में खोला गया है। जहां दर्शनशास्त्र विभाग के फिलोसॉफिकल काउंसलर विद्यार्थियों संकाय सदस्यों, कर्मचारी और अजमेर के निवासियों के लिए फिलोसॉफिकल काउंसलिंग करेंगे। केंद्र की प्रभारी डॉ. जरफिशा जैदी को बनाया गया है। कार्यक्रम के अंत में दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रेखा यादव ने सभी का आभार जताया।